

1975 में ट्रैक्टरों के लिए प्रतीक्षा सूची

794. श्री महाराज सिंह भारती: क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ट्रैक्टरों की प्रतीक्षा सूची में 1975 तक तीन लाख कृषकों की वर्तमान संख्या में प्रति वर्ष कितनी वृद्धि होने की सम्भावना है ;

(ख) क्या ट्रैक्टरों की उत्पादन और सप्लाई सम्बन्धी स्थिति को ध्यान में रखते हुए कुछ कृषक 1975 में भी प्रतीक्षा सूची में बने रहेंगे ; और

(ग) यदि हां तो उनकी संख्या कितनी होगी ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहेब शिन्दे) : (क) से (ग). सूचना प्राप्त हुई है कि विभिन्न देशीय विनिर्माताओं तथा राज्य कृषि-उद्योग निगमों के पास 1.60 लाख से अधिक पंजीयन अनिर्णीत पड़े हैं। कृषि मशीनरी तथा उपकरणों के कार्यकारी दल ने चतुर्थ पंचवर्षीय योजना की अवधि में कृषि कार्यों के लिए ट्रैक्टरों की आवश्यकताओं का अनुमान लगाया है। इसके अनुसार चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के अन्त अर्थात् 1973-74 तक वार्षिक मांग 50,000 की संख्या तक बढ़ जायेगी जबकि चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष में यह मांग 70,000 ट्रैक्टरों की थी। ट्रैक्टरों का देशीय उत्पादन 1969-70 की अवधि में 17,099 ट्रैक्टरों तक बढ़ गया जब कि 1966-67 की अवधि में देशीय ट्रैक्टरों का उत्पादन 8816 ट्रैक्टर था और 1970-71 की अवधि में यह उत्पादन 25,000 ट्रैक्टरों तक बढ़ जाने की सम्भावना है। इसके अतिरिक्त देश में प्रति वर्ष 16,900 तथा 1,03,000 ट्रैक्टरों के निर्माण के लिए विभिन्न एककों को क्रमशः औद्योगिक लाइसेन्स तथा आशय पत्र जारी कर दिये गये हैं। यद्यपि ट्रैक्टरों के उत्पादन तथा

आयात में सम्भावित वृद्धि के लिए भी सभी सम्भावित प्रयत्न किए जाते रहेंगे, फिर भी मांग के वर्तमान स्तर के आधार पर 1975 में भी कृषकों की प्रतीक्षा सूची में बने रहने की आशा है। फिर भी, वर्तमान स्थिति में 1975 तक ट्रैक्टरों की प्रतीक्षा सूची में पंजीयन हेतु होने वाली वार्षिक वृद्धि के सम्बन्ध में बताना सम्भव नहीं है।

Criticism on the Composition of Agricultural Commission

*796. SHRI YASHPAL SINGH : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether many members of Parliament have severely criticised the composition of the Agricultural Commission and the appointment of its Chairman in particular ;

(b) if so, whether Government propose to replace the members of the Commission including the Chairman by all-party members of Parliament in view of criticism ;

(c) if not, the reasons therefor ; and

(d) the terms of appointment of the Chairman and members of the Agricultural Commission ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) Some Members have expressed dissatisfaction regarding the composition of the National Commission on Agriculture. But the criticism, in the opinion of the Government, is not justified.

(b) No, Sir.

(c) The composition of the National Commission on Agriculture has been decided on the basis of the expertise and professional competence of the persons in handling the various subjects referred to in the terms of reference and not on the basis of representation of political parties. In deciding upon the name of Chairman, his past association with agriculture and his contribution to the adoption of new strategy for agricultural development in India were kept in view.